स्क्यान कैके
पहुरा थारु दैनिकके अनलाइन न्युज ओ ओकरभिट्टर डारल इ-पेपरमे देशविदेशसे हमार अनलाइन न्युज ओ पत्रिका पढे सेक्बी ।

थारु भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक   भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा

PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय नबनाऔं,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा अन्त्य गरौं ।
नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २३ अंक ३१० वि.सं. २०८३ जेठ २४ गते अँट्वार   थारु सम्वत (२६४९)   [Sunday 07 June 2026]   (मोल रु. ५ ।- पेज ४)

कानुन निर्माणमे तीन तहके सरकारबिच सहकार्य हुइपर्ना

पहुरा समाचारदाता
धनगढी, २३ जेठ । सभामुख डोलप्रसाद अर्याल कानुन निर्माण करेबर तीन तहके सरकारबीच समन्वय एवं सहकार्य हुइ पर्ना बटैले बटै ।

अन्तर व्यवस्थापिका मञ्चसे टीकापुरमे शनिच्चरके आयोजना करल अन्तर व्यवस्थापिका सम्मेलनमे उहाँ संघीयता कार्यान्वयनमे संघीय संसद् ओ प्रदेशसभाबिच प्रभावकारी रूपमे समन्वय, सहयोग ओ सहकार्य हुइ पर्ना बटाइल हुइट ।

तीन तहके सरकारबिचके समन्वय ओ सहकार्यमे नैबाझजैना मेरके कानुन निर्माण हुइ पर्नामे जोड डेटी सभामुख कहलै, "तीनु तहके सरकारसे बनैना कानुन नैबाझजैना मेरके काम कैना मै प्रतिबद्ध बटु ।" सक्कुजनहनसे समन्वय, सहकार्य कैके कानुन निर्माणहे आघे बढ्हैबु । आपसी समन्वय ओ सहकार्यसे किल जनताके अपेक्षाहे बुझके काम कैना वातावरण बन्ना बा ।"

कानुन निर्माण हुइबर लक्षितवर्गहे केन्द्रमे राखे पर्ना सभामुख अर्याल जोड डेलै । कानुनके कार्यान्वयन करे पर्ना वर्गसे कानुन निर्माण हुइलपाछे किल पटा पाइबर कार्यान्वयनमे चुनौती डेखजैटी गैल कहटी उहाँ लक्षित समूहसँग समन्वय ओ सहकार्य कैके किल कानुन निर्माण करे पर्ना बटैलै ।

सभामुख अर्याल संघीयतासे सिंहदरबारके अधिकार गाउँगाउँमे पुगैना कलेसे फेन उ अधिकार आभिन सिंहदरबार बाहर जाइ नैसेकल बटैले बटै । "आभिन हम्रे जनताहे डेहे पर्ना अधिकार गाउँगाउँसम पुगाइ नैसेकल हुइटी", उहाँ कहलै ।

ओस्टके, राष्ट्रिय सभाके अध्यक्ष नारायणप्रसाद अर्याल स्थानीय ओ प्रदेशसँग संघीय सरकारके समन्वय नैपुगल गुनासोहे संघीय संसद्से सम्बोधन कैके आघे बढ्हे पर्नामे जोड डेलै ।

संघसे आवश्यक कानुन नैबनाइबर प्रदेश ओ स्थानीय तहहे समस्या हुइल स्वीकार कैटी उहाँ संवैधानिक अधिकारसहित प्रदेश ओ स्थानीय तहहे काम कैना वातावरण बनाइ पर्ना बटैलै ।

"संघसे कानुन निर्माणमे करल ढिलाइसे प्रदेश सरकारसे आवश्यक कानुन बनैना ओ कार्यान्वयन करे सेकल नैहो", उहाँ कहलै । जनताके भावनाहे आत्मसात् कैटी लोकतन्त्रहे मजबुत बनैना ओर तीनु तहके भूमिका महत्वपूर्ण रहल उहाँके कथन रहे ।

कानुन निर्माणमे संघीय सदनसे ढेर तदारुकता डेखैना आवश्यक रहल उहाँ बटैलै । उहाँ कहलै, "द्रुत गतिमे कानुन निर्माणके काम काहे हुइल नैहो । ओकर कारण खोज्न जरुरी बा । जनता हम्रहीनहे बात करे नैपठाइल हुइट ।"

सम्मेलनमे संघीय संसद्के डुनु सदन ओ सात प्रदेशसभाके सभामुख सहभागी रहल बटै ।

नेपालमे मनसुन अइना एक हप्ता लग्ना

पहुरा समाचारदाता
काठमाडौँ, २३ जेठ । नेपालमे मनसुन भिटरना अभिन एक हप्ता लग्ना हुइल बा ।

जल तथा मौसम विज्ञान विभागके वरिष्ठ मौसमविद् वरुण पौडेलके अनुसार अब्बे दक्षिण भारतके केरला ओ तमिलनाडुमे मनसुन आपुगल ओ बङ्गालके खाडी हुइटी नेपालमे मनसुन आपुग्न एक साता लग्ना बा ।

मौसमविद् पौडेल कहलै, "यिहे समयमे मनसुन भिटरठ कना एकिन करके कहे नैसेक्जाइठ । मने, एक हप्ता आसपासमे मनसुन भिटरना अनुमान करल बा । तीनचार दिनमे बङ्गालके खाडीमे मनसुन पुग्न विल्गाइठ, ओकरपाछे नेपालमे आईबेर एक हप्ता आसपास वा कुछ अघि वा कुछ दिनपाछेफे हुई सेकठ ।" उहाँक अनुसार कबु कबु मनसुन हाली सक्रिय हुइलेसे हाली भिटरना ओ ढिला सक्रिय हुइलेसे ढिला अइना करठ ।

नेपालमे औसत जुन १३ तारिखमे मनसुन भिटरना मिति हो । मने, भारतमे तोकल औषत मिति जुन १ मे मनसुन भिटरनामे यी पालि कुछ ढिला करके भिटरल बा । टबमारे नेपालमेफे निर्धारित मितिसे कुछ ढिला भिटरना अनुमान करल मौसमविद् पौडेल जानकारी डेलै ।

"सामान्यत केरलामे आइल एक हप्ताभिटर नेपालमे अइना हो मने ओकर गति भर प्रणाली कटरा सक्रिय हुइठ टबमारे निर्धारण कैना ओरसे हप्ता आसपास मनसुन भिटरना अनसमान बा," उहाँ कहलै ।

यी पालि मनसुनमे औसतसे कम वर्षा हुइना ओ गर्मी ढेर हुइना आकलन करल बा । कौनो कौनो क्षेत्रमे अतिवृष्टि वा अनावृष्टि हुई सेक्ना सम्भावनासमेत रहल मौसमविद्हुक्रे अनुमान करले बटै ।

यी पालि मनसुनके समयमे ५१ हजार परिवारके दुई लाख २६ हजार नागरिक प्रभावित हुइना अनुमान करल उल्लेख करटी उहे अनुसार प्रतिकार्य राष्ट्रिय योजना बनाके लागू करल राष्ट्रिय विपद् जोखिम न्यूनीकरण तथा व्यवस्थापन प्राधिकरणके प्रवक्ता शान्ति महत जानकारी डेलै ।

शुक्लाफाँटामे चिरैं संरक्षणसँगे पर्यटन प्रवर्द्धनमे जोड

कञ्चनपुर, २३ जेठ । विश्व वातावरण दिवसके अवसरमे शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्जमे आयोजित चिरैं अवलोकन कार्यक्रममार्फत संरक्षणसँगे चिरैं पर्यटन प्रवर्द्धनमे जोड डेहल बा ।

नेपाल पन्छी संरक्षण संघके व्यवस्थापन, प्रदेश पर्यटन विकास कार्यक्रम कार्यान्वयन इकाइ धनगढी कैलालीके आयोजनामे तथा शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्जके समन्वयमे कार्यक्रम आयोजना करल हो । कार्यक्रमके मुख्य उद्देश्य चिरैंनके संरक्षण कैटी चिरैं अवलोकन पर्यटनहे प्रवर्द्धन कैना रहल बा । निकुञ्जभिट्टर पाजैना दुर्लभ तथा टमान प्रजातिके चिरैं अवलोकन कैटी संरक्षण ओ पर्यटनबीचके सम्बन्धबारे सहभागीहे जानकारी कराइल रहे ।

कार्यक्रममे जिल्ला समन्वय समिति कञ्चनपुरके प्रमुख दुर्गादत्त बोहरा शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्ज जैविक विविधताके अनुपम धरोहर रहल बटैलै । उहाँ चिरैं पर्यटनसे स्थानीय अर्थतन्त्रहे टेवा पुगैना उल्लेख कैटी प्राकृतिक सम्पदाके संरक्षणसँगे पर्यटन प्रवर्द्धनमे सक्कु पक्षसे ध्यान डेहे पर्ना आवश्यकता औँल्याइल रहिट ।

शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्जके प्रमुख संरक्षण अधिकृत चन्द्रशेखर चौधरी निकुञ्ज क्षेत्रमे ४६० से ढेर प्रजातिके चिरैं अभिलेख करल जानकारी डेलै । ओहकान अनुसार विशेष कैके शिकारी ताल क्षेत्र चिरैंनके महत्वपूर्ण बासस्थानके रूपमे परिचित रहल बा । उक्त क्षेत्रहे रामसार सूचीमे सूचीकृत कैना प्रस्ताव करल जानकारी डेटी उहाँ तालतलैया तथा सिमसार क्षेत्रके संरक्षण अब्बे मुख्य चुनौती रहल बटैलै ।

'सिमसार क्षेत्र बचाइ सेक्लेसे किल जलचर तथा प्रवासी चिरैंनके बासस्थान सुरक्षित रही,' प्रमुख संरक्षण अधिकृत चौधरी कहलै, 'चिरैं संरक्षण ओ पर्यावरणीय सन्तुलनके लाग तालतलैयाके संरक्षण *(बाँकी ४ पेजमे)*

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित
सम्पादक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)
कार्यकारी सम्पादक : **राम दहित** (९८४८४९४५१८)
भाषा सल्लाहकार : **दिलबहादुर चौधरी**
पहुना सम्पादक : **कृष्णराज सर्वहारी**
व्यवस्थापन सल्लाहकार : **राजकुमार चौधरी**
प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)
मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४१६०१)
पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४७५०१८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी
E-mail: dailypahura@gmail.com,
Website: pahura.com
मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, बेहडी, धनगढी

खगोलीय विज्ञान ओ अधिकमास

विचार
दिवाकर पन्त

हम्रे सूचना-प्रविधि हुइटि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के युगमे बिटि । लगभग हम्रे सबके हातहातमे स्मार्ट फोन बा, इन्टरनेट उपलब्ध बा । कौनो बाट चाहल वा अन्योल हुइ कलेसे हम्रे पुछ्ठि गुगलहे । हमार जीवनके तत्क्षणके गुरु बनल बा गुगल । कोइ पुछि टु कहाँ बाटो ? कलेसे हम्रे पठाइ सेक्ठि अपन रहल स्थानके जानकारीसहितके नक्सा । मौसम कैसिन हुइ ? आजके मात्र नाइकि, हप्ता दिनसमके, अपन बैठल ठाउँके किल नाइकि, संसारके सब जाने चाहल ठाउँके पैठि ।

आब हम्रे एकघचि अपनहे आजसे एक सय वर्षआघेक समयमे लैजाइ । आजसे ५०-६० वर्षआघे काठमाडौँ, पोखरा वा विराटनगरके तस्बिर हेरलेसे हह्रिहिनहे कैसिन लागि ? अपन देखल भोगल दुई-तीन दशकआघेक अवस्था सम्झके हम्रे का पैठि ? यिहे आधारहे मानक मानके हम्रे कौनो फेन बेलाके बारेमे समीक्षा करब कलेसे तत् तत्क्षणाके अवस्थाके धरातलीय वस्तुस्थितिमे वैज्ञानिक आधारमे अपनहे ढैके हेपरना रहठ । टब किल उ गतिविधिप्रति निष्पक्ष हिसाबसे न्याय करे सेक्ठी ।

ऋषिमुनि विद्वान् वैज्ञानिक

पृष्ठभूमिमे हरल जस्टे एक क्षण आजसे २०८३ वर्षआघे पुगी । काहेकि विक्रम संवतीय समय गणना कम्तीमे फेन उ समयसे हालसम निरन्तर रूपमे बा । औसतमे यी गणना पद्धति इस्वी संवत् (इसाई क्यालेन्डर) से ५७ वर्ष पुरान बा । हुइना टे वैदिक समय ओ पञ्चांग गणना पद्धति दुई चार/हजार वर्ष पुरान किल नाइहो, उहिनसे एकडम आघसे ऋषिमुनिहुक्रे आरम्भ करलेहे मने वर्तमानसम प्रचलित ओ अस्तित्वमे रहल समय गणना पद्धतिहे किल लिई । अइसिक हेरलेसे विक्रम संवत्से पञ्चांग गणना आधारमे तिथि, बार, नक्षत्र, योग ओ करणहे समिश्रित हिसाबसे समन्वयात्मक रूपमे आघे बह्रैना आधारस्तम्भ स्थापित करल पाजाइठ । यी पञ्चांग गणनामे सौर्यवर्ष गणना ओ चान्द्रवर्ष गणनाहे समान रूपमे लेना करल डेखाइठ । जबकि संसारके कुछ सभ्यतामे आधारित क्यालेन्डर गणनामे कि टे सौर्यवर्ष गणनाहे किल लेहल डेखाइठ कि टे चान्द्रवर्ष गणनाहे किल लेहल डेखाइठ । इसाई क्यालेन्डरमे सौर्यवर्ष गणनाहे किल लेहल बा कलेसे मुसलमान क्यालेन्डरमे चान्द्रवर्ष गणनाहे किल लेहल पाजाइठ । इसाईसे मनैना क्रिसमस सदैव हरेक वर्षके डिसेम्बर २५ तारिखके दिन परठ । ओहे अनुसार मुसलमान क्यालेन्डर चान्द्रवर्ष गणनामे किल आधारित रहल ओरसे इद, रोजा कब बैठ्ना वा रोजा कब समापन करना कना बाट पहिले पटा हुइठ । चन्द्रमाके तत्कालीन उदयअस्तहे हेरके तत्काल निर्णय करना हो निश्चित समयआघे बटाइ नैसेक्ना अवस्था रहल डेखाइठ ।

आब उ आधारमे हम्रे वैदिक क्यालेन्डर (यिहिनहे पाश्चात्यसे हिन्दु क्यालेन्डर कना करठि) के अभ्यासहे हेरलेसे सौर्यवर्ष गणना ओ चान्द्रवर्ष गणनाके समन्वय वैज्ञानिक ढंगसे रहठ । टबेमारे वर्ष आरम्भ हुइना कुछ महिनाआघे नयाँ वर्षमे कौन दिन कौन तिथिमे कौन-कौन चाडपर्व परठ कना स्पष्ट यकिन रहठ वा कहे सेक्जइठ ।

हो, यी प्रणाली आज कम्प्युटर, सूचना प्रविधि तथा एआई आइलपाछे विकसित हुइल आधार नाइहो । लेखके पृष्ठभूमिमे चर्चा करल जस्टे कम्तीमे फेन २०८३ वर्ष पहिलसे यी आधार स्थापित रहे । काहेकि खगोलके गणनाहे हमार ऋषिमुनिसे विकसित करल गणितीय गणना पद्धतिमे आधारित होके करल गणना रत्तिभर फेन तरेउप्पर हालसम परल नैहो । आधारस्तम्भ वैज्ञानिक नैरकठ कना आजके युगमे विकसित हुइल सफेटवेयर तथा प्रविधिमे आधारित गणनासे निक्रल नतिजा आ उबेला स्थापित हुइल पद्धतिसे करल नतिजामे फरक परल हुइ । हमार उ आधारस्तम्भके शिला स्थापित करना उ महान् महापुरुष ऋषिमुनि वैज्ञानिक रहैं । उहाँहसकनसँग वैज्ञानिक ज्ञानके आधार रहे कलेसे उहाँहुक्रे स्थापना करल शतप्रतिशत वैज्ञानिक कैसिक हुइ सेकि ?

खगोलीय पिण्डके गणना

दिन बिटल । रात परल । रात बिटल । दिन आइल । एकडम यिहे रित रहल । समय परिवर्तनके क्रम निरन्तर अइसिके चल्लेसे फेन यकर कारण का बा ? यीभित्तरके रहस्य का बा ? कना जिज्ञासा सुरुमे मनैन्के मनमे अवश्य आइ । ऋषिमुनिके जिज्ञासा ओ खोजीसे समयके रहस्य ओ यिहिनहे मापन करेपरना आवश्यकताके बोध कराइ परठ । उहाँहुक्रे केवल पृथ्वीमे अपनवरपरके जगत्हे किल हेरके नैबैठ्लैं । उहाँहुक्रे यी पृथ्वीसहित रहल ब्राह्माण्डीय रहस्यहे जन्ना तहसमके खोजीमे उहाँहुक्रे लागल स्पष्ट डेखाइठ, ओकर कारण खगोलीय अध्ययनके तहमे हम्रे आधारस्तम्भ तयार हुइल हो । हम्रे रना ग्रह पृथ्वी फेन खगोलमे औरे कौनो सापेक्षतामे अन्तर्निभर रहल उहाँहुक्रे पत्ता लगैलैं । पृथ्वी जहाँ प्राणीके बसोबास बा, यिहिनहे केन्द्रमे ढैके हेरलेसे स्वयम् पृथ्वी सूर्यहे एक ट्र्याक अर्थात् क्रान्तिवृत्तमे रहिके परिक्रमा करना पत्ता लगैना उहाँहुक्रे सफल हुइलैं । साथे एकडम आकारमे परिवर्तन हुइना नांगा आँखीसे देखैना चन्द्रमासे पृथ्वीहे परिक्रमा करना ज्ञानसमेत उहाँहुक्रे पत्ता लगैना सफल हुइलैं । उहाँहुक्रे अत्रा किल सीमित नैहोके कत्रा दिनमे यी परिक्रमाके क्रम सम्पन्न हुइठ कना निश्चित दिन पत्ता लगैना उहाँहुक्रे अथक प्रयास करल पाजाइठ ।

यिहे खगोलीय ज्ञानके वैज्ञानिक आधार मलमास हो । अर्थात् मलमास दुई मेरिक रहठ । एक अधिकमास, औरे क्षयमास मने यहाँ अधिकमासके किल चर्चा करे चाहठु । पृथ्वीसे सूर्यहे ३६५ दिनमे एक फन्का परिक्रमा करना करल तथ्य ऋषिमुनिहुक्रे पैलैं, यिहिनहे सूर्यवर्ष कहिगिल । चन्द्रमा भर सामान्यतया साढे उनन्तिस दिनमे पृथ्वीहे परिक्रमा करना करल तथ्य फेन उहाँहुक्रे पत्ता लगैलैं । चन्द्रमा पृथ्वीहे ३५४ दिनमे घुम्न करल बृहत्तर ज्ञान फेन उहाँहुक्रे पत्ता लगैलैं । चन्द्रमा पृथ्वीहे घुम्न समय क्रमहे तिथि कहिजाइठ । तिथि शुक्लपक्ष ओ कृष्णपक्षके रहठ । पृथ्वीसे सूर्यहे घुम्न ३६५ दिन लागठ मने चन्द्रमा पृथ्वीहे यी अवधिमे घुम्न समय ३५४ दिन किल रहठ । अइसिके हेरलेसे हरेक वर्ष ११ दिनके अन्तर अइना डेखाइठ । यिहे अन्तरहे समन्वय करना अधिकमासके अवधारणा उहाँहुक्रे विकसित करल छर्लङ्ङ रहठ ।

> आज हेरके कुछ विषय सामान्य लागठ । कुछ बाट अभिनसम फेन रहस्यके पोल्टामे बा । पाँच/छ हजार वर्षआघेक ऋषिमुनिके चिन्तन शैली वा क्षमता वा प्रयोगहे हेरके उ समय कुछ ना कुछ वैज्ञानिक स्रोतसाधनसे युक्त रहल परठ कना हम्रे अनुमान करे सेक्ठि । नाइकि सूर्य प्रणाली रहल ओ यम्ने यी यी ग्रह बा कहिके उहाँहुक्रे कैसिक यकिनके साथ कहे नैसेकि ? पृथ्वीसे सूर्यहे घुमठ, चन्द्रमा पृथ्वीहे घुमठ ओ पृथ्वी तथा चन्द्रमा एकसाथ सूर्यहे घुमठ कना खगोलीय यथार्थ ज्ञान उहाँहुक्रे कैसिक हुइल ? ज्योतिष विज्ञान कैसिक जन्मन पुगल ? मलमासके अवधारणा कैसिक आइल ? उहाँहुक्रे केवल नांगा आँखीसे हेरके किल सूर्य, बुध, शुक्र, पृथ्वी, चन्द्रमा, मंगल, वृहस्पति ओ शनि सौर्यप्रणालीमे रहल ओ पृथ्वीमे किल प्राणी रहल यकिन कैसिक करे सेकि ? सूर्य, पृथ्वी ओ चन्द्रमाके परिक्रमाके क्रममे सम्बन्ध स्थापित हुइल दुई १८० डिग्रीके विपरीत अवस्था उहाँहुक्रे यकिन कैसिक करलैं ? उहिनहे राहु तथा केतुके नामकरण कैके तत् अवस्थाके प्रभाव ग्रह परना जैसिन प्रभावशाली रहन बाट कैसिक कहे सेक्लैं ?

अधिकमासके आवश्यकता

पूर्वीय समय गणनामे आधारित संस्कार, संस्कृति सूक्ष्मतम् वैज्ञानिक रूपमे आधारित बा । जहाँ सूर्यवर्ष गणना ओ चान्द्रवर्ष गणनाके दुनुकु समन्वयात्मक प्रयोग हुइल बा । हमार सब यिहिनसे चाडपर्व तिथि अर्थात् चान्द्रवर्ष गणनामे तय करजाइठ कलेसे संक्रान्ति, महिना, वर्ष परिवर्तन, अयन परिवर्तन जैसिन समय मापनके गणना सूर्यवर्ष गणनामे आधारित बा । अर्थात् सूर्यमास ओ चान्द्रमासके अवधिके गणना बा । अइसिके खगोलीय दुई प्रणालीमे आधारित चाडपर्व, संस्कार, संस्कृति आदि रहल ओरसे यी दुई गणनाहे समन्वय करेपरना मेरिक व्यावहारिक बनाइ परल बा । अधिकमासमार्फत सूर्यवर्ष ओ चान्द्रवर्षके तादात्म्य मिलैना वैदिक ऋषिमुनि सफल हुइल बटैं ।

अइसिके सूर्यवर्ष गणना ओ चान्द्रवर्ष गणनामे हरेक वर्ष अन्तर हुइना आइल ११ दिनहे मिलैना औसतमे हरेक तीन-तीन वर्षमे अधिकमास यकिन करना प्रणाली विकसित करगिल । सूर्यवर्षसे कम हुइना एक महिनाके अवधिहे यकिन कैके उहिनहे मलमास वा अधिकमास वा पुरुषोत्तम महिना नामकरण करजाइठ । अर्थात् चान्द्रमहिना, यिहिनहे सूर्यवर्षसम समन्वय करना तय कैके एक महिना व्यावहारिक रूपमे हेरके ढेर रहल जस्टे डेखाइल, यिहिनसे यी एक महिनाके अवधिमे संस्कारित कार्यके मुहूर्त उपलब्ध नैकरगिल । काहेकि हरेक वर्ष कम रहल ११ दिन जोरके तीन वर्षमे अधिकमास तय कैके एक महिना एक मेरिक जगेडा समयके रूपमे ढरल । अइसिके मलमासके अवधारणा कौनो हावादारी काल्पनिक चिन्तन नैहोके खगोलीय ग्रहके गतिहे मापन करना ओ यहाँ पृथ्वीमे रहल मनैन्के समय गणनाहे व्यावहारिक बनैना तय करल पूर्णतया शतप्रतिशत विज्ञानके विषय हो ।

अधिकमासम करना ओ नैकरना काम

अवश्य फेन एक महिनाके अवधि सूर्यवर्ष गणनाके हिसाबसे जगेडा अवधि टे चान्द्रवर्ष गणनाके *(बाँकी ३ पेजमे)*

आगलागी स्मरणमे बाम्का बजार बन्द

बाजुरा, २३ जेठ । बाजुराके बुढीगंगा नगरपालिका-६ बाम्कामे रहल बाम्का बजार बन्द करल बा । गैल वर्षके जेठ २३ गते उ बजारमे हुइल भीषण आगलागीसे भारी धनमालके क्षति हुइल रहे । उ घटनाहे स्मरण करटि बजार व्यवस्थापन समिति शनिच्चरके रोज बाम्का बजार बन्द करल हो ।

ओहे घटनाके स्मरणमे यी दिनहे 'कालो दिन'के रूपमे मनैना परम्पराअनुसार बजार बन्द करल बजार व्यवस्थापन समिति जनैले बा ।

बाम्का बजार जिल्लाके प्रमुख व्यापारिक केन्द्र हो । यहाँ हाल १२५ से ढेर पसल सञ्चालनमे बा कलेसे करिब ३५८ जाने व्यापारी यी बजारमे बसोबास करठैं । पाछेक वर्षमे यी बजारके स्तरोन्नति फेन हुइल बा ।

गैल वर्षके भीषण आगलागीपाछे क्षतिग्रस्त बनल बाम्का बजारहे अब्बे जिल्लाके नमुना बजारके रूपमे विकास करना प्रयास हुइल बजार व्यवस्थापन समितिके अध्यक्ष रामचन्द्र गिरी बटैलैं ।

उहाँक अनुसार बुढीगंगा, त्रिवेणी ओ खप्तड छेडेदह गाउँपालिकालगायतके स्थानीयवासीके लाग यी बजार दैनिक उपभोग्य वस्तु तथा सेवा खरिदके प्रमुख केन्द्र हो ।

गैल वर्ष जेठ २३ गते दिनके ३ बजे नवदुर्गा होटलके सिलिन्डर विस्फोट होके भीषण आगलागी हुइल रहे, उहिनसे करोडौं रुपैयाँ बराबरके धनमाल पूर्ण रूपमे नष्ट हुइल रहे । ओहे घटनाके स्मरण करटि बाम्का बजार बन्द करल अध्यक्ष गिरी बटैलैं ।

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर १९ फुलवारी स्थित कित्ता नं. १५२२ क्षेत्रफल ३३८.६३ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री अमर सिंह धामीले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबुत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सुचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण

पुर्व: मौनादेवी रानाभाट | पश्चिम: सडक
उत्तर: दिनेश निरौला | दक्षिण: जयलक्ष्मी जोशी

धनगढी उपमहानगरपालिका
नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

डिवश ड्राईभिङ सेन्टर

दक्ष चालक बन्ना सक्कु सैद्धान्तिक तथा व्यवहारिक ज्ञान देना प्रयास हमार, सफलता अपनेन्के ।

सीप सिकी, स्वरोजगार बनी
विद्यार्थी ओ ग्रुपमे अउईयाहुक्रनहे विशेष छुटसहित...
हमार यहाँ दक्ष प्रशिक्षकहुक्रनसे मोटर साईकल, स्कुटी, कार, जीप ग्यारेन्टीके साथ ड्राईभिङ सिखैनाके साथे फोटोग्राफीके सुविधा समेत उपलब्ध बा ।
नोट: *साथे दुरसे अउईया विद्यार्थीनके लाग बैठ्ना व्यवस्था समेत उपलब्ध बा । समयमे सक्कु सिकारु विद्यार्थीहुक्रनहे सम्पर्क कैना सहर्ष जानकारी कराइटी ।*
धनगढी, चटकपुर कैलाली फोनं. ०९१-४१०२३७ मो.९८४८४३९६८५

पाठकवर्गसे अनुरोध

प्रिय पाठकवर्ग, पहुरा मिडिया प्रालिसे सन्चालित पहुरा दैनिक ओ पहुरा अनलाइनमे हमार सकेसम थारुपन लन्ना कोशिश जारी बा । विचार पेजमे थारु लगायट अन्य जनजातिनके आवाज हमार पहिला प्राथमिकता हो । अपन मनेम लागल उकुसमुकुस बाट अपनेनके फे लिख्के पठाइ सेक्ठि । अपनेक विचार लम्मा हुइ परठ कना नइ हो । आइ कलम पक्रि, अपन मनक बाट ढेरसे ढेन जनहन बाँटि । पहुरा अनलाइनमार्फत अपन बाट संसार भर पुगाइ । *-सम्पादक*

जरुरी टेलिफोनके प्रायोजक:

हमार यहाँ बोइलर मुर्गीनके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहबी ।
नोट : भोजविहा, व्रतवन्धके लाग होम डेलिभरीके सुविधा बा ।
प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बैयाबेहडी चौक, धनगढी कैलाली शारद उमावि लग्गे
मो. ९८११६३५६८०

एम्बुलेन्स नम्बर
९८२४६८९६१७, ९८५८४२७०१८, ९८१४६०८०५६, ९८१४६८०००६८,९८१४६६०२८५

प्रहरी
अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१- ५२१३०१
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५०,१००
वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२१२९९,११०
ईप्रका अत्तरीया ०९१-५५०१२२
त्रिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२११८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२११५३
ईप्रका मसुरिया ०९१-४०२०१४
ईप्रका चौमाला ०९१-६९२५७१
ईप्रका लम्की ०९१-५४०१९९
ईप्रका भजनी ०९१-५८०१९९
ईप्रका सुख्खड ०९१-५२९१६६
ईप्रका मालाखेती ०९१-५५०१२२
ईप्रका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
ईप्रका हसुलिया ०९१-५२९१४५
ईप्रका पाण्डौन ९७४९०१४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
ईप्रका टीकापुर०९१-५६०१९९
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६९२८

बैक
नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२१३२२
नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३
कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३५
मालिका विकास बैक०९१-५२३७३८
बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६
बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५०
नेपाल बग्लादेश बैक ०९१-५२१७८५
सिटिजन बैक ०९१-५२७४८५
कुमारी बैक ०९१-५२६०३८
सनराईज बैक ०९१-५२४८५०
नेपाल ईन्भेसमेन्ट बैक०९१-५२३७०६
एनएमबी बैंक लि.०९१-५२१२१६

सरकारी कार्यालय
जिल्ला प्रशासन .०९१-५२११०१
जिल्ला विकास .०९१-५२२५६०
नगरपालीका .०९१-५२१४२९
मालपोत.०९१-५२१२०१, नापी शाखा.०९१-५६०४०२
कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२१२२४
जिल्ला हुलाक.०९१-५२११५२, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५

अस्पताल
सेती अञ्चल.०९१-५२१२७१
नवजिवन ०९१- ५२१२३३/५२१७३३
विजय मेडिकल हल धनगढी ०९१-५२३४३५
पद्मा धनगढी ०९१-५५०३५५
सेवा नर्सिङ होम अत्तरीया ०९१-५५०७९७
एम्बुलेन्स मसुरिया ९७४९०१८०८१
घोडाघोडी अस्पताल सुखड०९१-६९४७०७
टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०१५०
दमकल १०१
नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२१३३३
कैलाली उ.बा.संघ ५२१२३७, ५२३९७१
एम्बुलेन्स : ५२१६००
सामुदायिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५५७५४०
विद्युत : ५२११४५
दिनेश मेटल ०९१-५२१३९२

होटल
डिमोटी ०९१-५२३९१८/५२५९३१
जगदम्बा०९१-५२३५९०, विद्या०९१-५२३२७३
तरूण ०९१-५२४६९३, सनलाईट०९१-५२१५३६
वर्ल्ड लिंक धनगढी :५२०१५१
ज्ञानुप्लाजा०९१-५२२८३०/५२७१९०
नेपाल पत्रकार महासंघ :५२७१२२

शैक्षिक संस्था
कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१२२३
सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३१९२
ऐश्वर्य बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२१०७९

राजनैतिक पार्टी
नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२४११५
नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२१०१०
बसपार्क काउण्टर धनगढी : ०९१-५२१२५२

एफ.एम
दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ज धनगढी: ०९१-५२६७०१

दशकमे फेन नैबनल, अभिन म्याद थप

काठमाडौँ, २३ जेठ । आठ लेनके सडकउप्पर मनै ओहोरदोहोर करेक लाग आकासे पुल बनैना कत्रा समय लागे सेकि ? छ महिना, एक वर्ष वा ढेरमे दुई वर्ष । मने संघीय राजधानी काठमाडौँमे सम्झौता होके काम सुरु हुइल एक दशकमे फेन आकासे पुल निर्माण हुइ सेकल नैहो ।

काठमाडौँके बल्खु, ललितपुरके सानेपा ओ महालक्ष्मीस्थानमे आकासे पुल निर्माणके लाग ठेक्का सम्झौता हुइल एक दशक पुरके फेन काम सम्पन्न हुइ नैसेकल हो । एक दशकके अवधिमे आठ चो म्याद थप हुइल बा । नवौँ चो म्याद थपके तयारी हुइल बा । अभिनसम उ पुलके भौतिक प्रगति ७० प्रतिशत पुगल बा ।

यी पुल निर्माणके लाग २०७४ सालम ठेक्का सम्झौता हुइल रहे । काम सुरु हुइल एक दशकमे फेन एक आकासे पुल निर्माण हुइ नैसेकल ओरसे मुलुकके सार्वजनिक पूर्वाधार निर्माणमे रहल कमजोर समन्वय ओ सुस्त कार्यशैली देखाइना साथे कार्यप्रणालीके बेथितिसमेत उजागर करल बा । उ पुल निर्माण क्रममे सम्झौता अनुसार निर्धारित समयमे काम सम्पन्न नैकैके ठेकेदार कम्पनीहे जरिबाना तिरैनाके सट्टा शक्ति केन्द्रके दबाब ओ प्रभावमे सम्बन्धित निकायसे म्याद थपल पाइल बा ।

बल्खुमे आकासे पुल निर्माणके लाग त्रिवि परीक्षा नियन्त्रण कार्यालय आगे, ललितपुरके सानेपा ओ महालक्ष्मीस्थानमे आकासे पुलके खम्बा ओ च्याम्प निर्माणबाहेकके काम आगे बहे सेकल नैहो । उ ठाउँमे पैदल यात्रुके अत्यधिक चाप हुइना करठ । आकासे पुल निर्माण हुइ नैसेक्ना सडक फराकिलो रलेसे फेन सुरक्षित डगर कट्ना ठाउँ अभावमे जोखिम मोलके यात्रु सडक पार करना बाध्य बा । काठमाडौँ चक्रपथ सुधार योजनाके प्रमुख ई. आशिका पोखरेल अब्बे उ तीनु पुल निर्माण जारी रहल जानकारी डेलैं । उहाँक अनुसार अब्बे पुलके रेलिङलगायतके आवश्यक निर्माण कारखानामे हुइल बा । आकासे पुलमे जडान हुइना सामग्री निर्माणस्थल (साइट) मे नैहोके कारखानामे हुइना करल बा । पुलके मुख्य संरचना सम्पन्न हुइल बटैटि उहाँ असारसम पुलके सक्कु निर्माण सम्पन्न हुइना दाबी रलैं ।

काठमाडौँ चक्रपथ सुधार योजनाके सूचना अधिकारी ई. रामविहारी चौधरीके अनुसार बल्खुके आकासे पुल निर्माणके लाग २०७४ भदौ २९ गते महर्जन/पूर्णचण्डी निर्माण कम्पनी (संयुक्त) सँग सम्झौता हुइल रहे । यी पुलके निर्माण लागत चार करोड छ लाख ७८ हजार ८२५ रुपियाँ बा । पुलके निर्माण अवधि सुरुमे २०७५ अगहन २९ गतेसम रहल रहे कलेसे आठौँ चो म्याद थप कैके २०८२ चैत ३० गतेसम रहलमे म्यादसमेत समाप्त हुइल बा । ओस्टेक ललितपुरके महालक्ष्मीस्थानमे आकासे पुल निर्माणके लाग महर्जन/पूर्णचण्डी/ड्रामा निर्माण कम्पनी (संयुक्त) सँग चार करोड ३२ लाख ४३ हजार ६२९ रुपियाँ लागतमे २०७४ असार २८ गते सम्झौता हुइल रहे । यी पुलके सुरुके म्याद २०७५ असोज २८ गतेसम रहलमे यकर फेन आठ चो म्याद थप कैके २०८२ चैत ३० गतेसम रहल म्याद समाप्त होसेकल बा ।

ओस्टेक चक्रपथके सानेपामे आकासे पुल निर्माणके लाग महर्जन/पूर्णचण्डी/सप्तम निर्माण कम्पनी (संयुक्त) सँग २०७४ असार २८ गते सम्झौता हुइल रहे । सम्झौता अनुसार यी पुलके निर्माण सम्पन्न करना सुरुके अवधि २०७५ असोज २८ गतेसम रहलमे आठ चो म्याद थप कैके २०८२ चैत ३० गतेसम रहलमे उ म्याद ओराइल तीन महिना पुगे लागल सूचना अधिकारी चौधरी जानकारी डेलैं । यी पुलके ठेक्का रकम चार करोड १९ लाख २२ हजार ४२५ रुपियाँ बा ।

यी तीनु आकासे पुलके ठेक्का सम्झौता हुइलसँगे निर्माण कम्पनीसे 'साइट मोबिलाइजेसन' स्वरूप कुल निर्माण लागतके २० प्रतिशत रकम पुल महाशाखासे बुझसेकल बा । यीआघे चीन सरकारसे कोटेश्वर, ग्वार्को, सातदोबाटो ओ बागडोलमे सम्झौता अनुसारके आकासे पुल निर्माण कैके नेपाल सरकारहे हस्तान्तरण करल बा । ओस्टेक चीनसे चक्रपथके कोटेश्वर-कलंकी खण्ड विस्तार कैके २०७५ माघ १४ गते नेपालहे हस्तान्तरण कैसेकल हो ।

आमनागरिक सुरक्षित ओ सहज रूपमे चक्रपथ वारपार करे पाइ कना उद्देश्यसहित प्रत्येक एक/एक किलोमिटरमे आकासे पुल निर्माण करना योजनासहित उ आकासे पुल निर्माण सुरु करल हो । आठ लेन चौडाइके उ सडकमे सवारीसाधनके गति उच्च हुइल ओरसे पैदल यात्रुके लाग थप आकासे पुलके आवश्यकता हुइल कटि सडक विभागसे थप स्थानमे आकासे पुल निर्माण आघे बहैल हो ।

पूर्वाधारविज्ञ ई. राजेन्द्र शर्मा सम्बन्धित निकायके कमजोर नियमन तथा राजनीतिक पहुँचके आधारमे ठेकेदारसे म्याद थप्न मने काम नैकरना प्रवृत्तिके कारण मुलुकके पूर्वाधार विकास निर्माण कछुवाके गतिमे नेंग्नाके साथे बर्सेनि अर्बौं लागत ढेर राज्यहे भारी आर्थिक भार परल बटैलैं । संघीय राजधानी काठमाडौँके पूर्वाधार विकासमे अइसिन बेथिति बा कलेसे मुलुकके अन्य भागके अवस्था कैसिन हुइ ? कना उहाँ प्रश्नसमेत करलैं ।

अन्तर्राष्ट्रिय

मलेसियामे १६ वर्षटरेहे सामाजिक सञ्जाल प्रतिबन्ध

काठमाडौँ, २३ जेठ । मलेसिया १६ वर्षसे कम उमेरके बालबालिकाके सामाजिक सञ्जाल प्रयोगमे कडाइ करटि नयाँ कानुनी व्यवस्था लागु करले बा । सोम्मारसे कार्यान्वयनमे आइल उ नियम अनुसार १६ वर्षटरेक बालबालिका सामाजिक सञ्जालमे व्यक्तिगत खाता खोले वा सञ्चालन करे नैपैहिँ ।

नयाँ व्यवस्था अनुसार सामाजिक सञ्जाल सञ्चालन करना कम्पनी प्रयोगकर्ताके उमेर अनिवार्य रूपमे प्रमाणीकरण करेपरि । साथे, १६ वर्षसे कम उमेरके बालबालिकाहे खाता दर्ता करे नैडेना तथा ओइसिन खाता पहिचान कैके रोकथाम करना जिम्मेवारी फेन सम्बन्धित कम्पनीके रहि ।

यी नियम फेसबुक, इन्स्टाग्राम, टिकटक, युट्युबलगायत लाखौं प्रयोगकर्ता रहल प्रमुख सामाजिक सञ्जालमे लागु हुइ । नियमके पालना नैकरना कम्पनीहे एक करोड मलेसियन रिंगिटसम जरिवाना करे सेक्ना व्यवस्था करल बा ।

मलेसिया सरकार बालबालिकाहे अनलाइन माध्यमसे फैलल हानिकारक सामग्री, साइबर दुर्व्यवहार, मानसिक दबाब तथा सामाजिक सञ्जालके अत्यधिक प्रयोगसे जोगैना उद्देश्यसे अइसिन कदम चालल जनाइल बा । सरकारके अनुसार पाछेक वर्षमे बालबालिकाउप्पर डिजिटल माध्यमसे हुइना टमान जोखिम बहल ओरसे कडा नियमन आवश्यक हुइल हो ।

यद्यपि, बालबालिका टमान उपाय अपनाके नियम छल्के खाता खोलल अवस्थामे अभिभावकहे कौनो कानुनी कारबाही नैकरजाइ । सरकारके ध्यान मुख्य रूपमे सामाजिक सञ्जाल कम्पनीहे उत्तरदायी बनैनाओर केन्द्रित रहल बटाइल बा ।

व्यावसायिक मकै खेती उत्साहजनक

अछाम, २३ जेठ । अछामके साँफेबगरमे रहल हातेमालो बहुउद्देश्यीय सहकारी संस्था लिमिटेडसे व्यावसायिक कृषि उत्पादनमार्फत मजा आम्दानी कैटी आइल बा । वडा नम्बर ४ मे रहल सहकारी अछामके नमुना सहकारी बनल बा ।

कृषि तथा पशुपालनहे प्राथमिकतामे रख्टी आइल सहकारीसे इ बरस २० रोपनीमे व्यावसायिक मकै खेती कैके उत्साहजनक परिणाम हासिल करल हो । सहकारीसे उत्पादन करल हरियर मकैके माग स्थानीय बजारमे अत्यधिक रहल सहकारी जनैले बा । मकै उत्पादन सुरु हुइलसँगे ग्राहक खेतबारीमे पुगके खरिद कैना करल बटै । सहकारीके अनुसार हालसम करिब ४१ हजार रुपियाँ बराबरके मकै बिक्री होसेकल बा । आभिन बिक्री हुइना मकै बाँकी रहल बा ।

सहकारीके अध्यक्ष सुरत भुल कृषि उत्पादन वृद्धि कैनाके साथे स्थानीयस्तरमे रोजगारी ओ आम्दानीके अवसर सिर्जना कैना उद्देश्यसे व्यावसायिक मकै खेती सुरु करल बटैलै । उहाँ सहकारी आधुनिक कृषि प्रविधिके प्रयोग कैटी किसानहे व्यावसायिक खेतीतर्फ आकर्षित कैना टमान कार्यक्रम सञ्चालन करटी रहल जानकारी डेलै ।

अध्यक्ष भुल कहलै, "कृषिहे आयआर्जनके मुख्य आधार बनैना लक्ष्यसहित सहकारीसे टमान उत्पादनमूलक गतिविधि आघे बहाइल बा । उ मध्ये मकै खेतीसे प्राप्त उत्साहजनक नतिजासे आगामी दिनमे आउर ढेर क्षेत्रफलमे खेती विस्तार कैना प्रेरणा डेले बा ।"

ओस्टके सहकारीके प्रबन्ध निर्देशक महेश्वरी बुडथापा स्थानीय उत्पादनके प्रवर्धन कैटी ताजा तथा गुणस्तरीय मकै उपभोक्तासम सस्ता ओ सहज मूल्यमे पुगाइल बटैलै । उहाँ स्थानीय उत्पादनके उपयोगसे किसान ओ उपभोक्ता डुनुहे फाइदा पुग्ना हुइल ओरसे स्वदेशी उत्पादनप्रति विश्वास बहैना आवश्यक रहल धारणा व्यक्त करलै । सहकारीसे मकै खेतीसँगे तरकारी खेती तथा भैँसीपालन व्यवसायसमेत सञ्चालन कैटी आइल बा । बहुआयामिक कृषि तथा पशुपालन गतिविधिके कारण सहकारीसे उत्पादन, रोजगारी सिर्जना ओ स्थानीय आर्थिक गतिविधि चलायमान बनैना महत्वपूर्ण योगदान पुगाइल बा ।

स्थानीय उत्पादनप्रति उपभोक्ताके बढ्दो आकर्षण ओ सहकारीके सक्रियतासे आसपासके किसानहे समेत व्यावसायिक कृषि व्यवसायतर्फ प्रेरित करले बा ।

खगोलीय विज्ञान...

हिसाबसे अपुग अवधि रहल कारण यी समय औसत अवधिके समय जैसिन नैरहल । अधिकमासके एक महिनाके अवधिमे संस्कार कार्य करना मुहूर्त उपलब्ध नैरहठ, यिहिनसे विवाह, व्रतबन्ध, गृहारम्भ, गृहप्रवेश जैसिन काम्य कर्म नैकरना कहल बा । दीर्घकालसम प्रभावित करना मेरिक काम यी अवधिमे सुरु करे नैपरठ मने नियमित रूपमे करटि रहल नित्य कर्म भर यी अवधिमे करे परठ वा करना रहठ । यम्ने नित्य पूजा, नित्य हवन, जप, एकडम दर्शन करना मन्दिर तथा देवस्थललगायत कार्य करल रहठ । यी अवधिम पर्व, श्राद्ध, पहिलेसे विधिपूर्वक आरम्भ करना कार्य, न्वारन जैसिन कार्य फेन यी अवधिमे करना रहठ मने एकडम सोचविचार कैके करना ओ दीर्घकालसम प्रभाव परना मेरिक काम्य कर्म भर अधिकमासमे करना नैरहठ । साथे कुछ आपत्कालीन हकमे करेपरना, बाध्यात्मक अवस्था आके भर कुछ कर्म करना कना शास्त्रमे कहल बा । उकारण अधिकमासहे जटिल ओ अव्यावहारिक विषयसे फेन वैज्ञानिक खगोलीय विषय रहल ओ पृथ्वीमे मनैन्हे पञ्चांग अर्थात् क्यालेन्डरमे आधारित रहिके समय व्यवस्थित करेपरना रहठ ओ विविध धार्मिक-सांस्कृतिक कार्य तय करेपरना अवस्थाके लाग यी व्यवस्था रहल हम्रे स्पष्ट रूपमे बुझे परठ ।

ऋषिमुनिके खोज वैज्ञानिक

आज हेरके कुछ विषय सामान्य लागठ । कुछ बाट अभिनसम फेन रहस्यके पोल्टामे बा । पाँच/छ हजार वर्षआघेक ऋषिमुनिके चिन्तन शैली वा क्षमता वा प्रयोगहे हेरके उ समय कुछ ना कुछ वैज्ञानिक स्रोतसाधनसे युक्त रहल परठ कना हम्रे अनुमान करे सेकिठ । नाइकि सूर्य प्रणाली रहल ओ यम्ने यी यी ग्रह बा कहिके उहाँहुक्रे कैसिक यकिनके साथ कहे नैसेकि ? पृथ्वीसे सूर्यहे घुमठ, चन्द्रमा पृथ्वीहे घुमठ ओ पृथ्वी तथा चन्द्रमा एकसाथ सूर्यहे घुमठ कना खगोलीय यथार्थ ज्ञान उहाँहुक्रे कैसिक हुइल ? ज्योतिष विज्ञान कैसिक जन्मन पुगल ? मलमासके अवधारणा कैसिक आइल ?

उहाँहुक्रे केवल नांगा आँखीसे हेरके किल सूर्य, बुध, शुक्र, पृथ्वी, चन्द्रमा, मंगल, वृहस्पति ओ शनि सौर्यप्रणालीमे रहल ओ पृथ्वीमे किल प्राणी रहल यकिन कैसिक करे सेकि ? सूर्य, पृथ्वी ओ चन्द्रमाके परिक्रमाके क्रममे सम्बन्ध स्थापित हुइल दुई १८० डिग्रीके विपरीत अवस्था उहाँहुक्रे यकिन कैसिक करलैं ? उहिनहे राहु तथा केतुके नामकरण कैके तत् अवस्थाके प्रभाव ग्रह परना जैसिन प्रभावशाली रहन बाट कैसिक कहे सेक्लैं ?

उहाँहुक्रे अइसिके कम्तीमे पाँच/छ हजार वर्षआघे ठोकुवा करल बाट अब्बेक विज्ञान प्रविधिके युगके आधुनिक विज्ञानके कसिसे हेरलेसे फेन ओहे बा । ओत्र पाछे ऋषिमुनिसे करल अनुसन्धान, खोज शतप्रतिशत विज्ञान हो कना कौनो दुविधा वा लघुताभास मानेपरना कौनो कारण नैहो ।

साभार: गोरखापत्र दैनिकसे

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १९,५५०।- अनिवार्य रुपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैंगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैंगिक हिंसाको अन्त्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रुपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रुपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौं व्यवसायजन्य रोग लाग्नबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरुपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरुपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।

श्रम तथा रोजगार कार्यालय

धनगढी, कैलाली

पेट, छाती, मुटु तथा थाईराईड विभाग

उपचार हुने रोगहरू

- उच्च रक्तचाप, दम तथा मुटु रोगको उपचार
- सुगर (मधुमेह), थाईराईड रोगको उपचार तथा परामर्श
- मिर्गी रोग, प्यारालाइसिस (पक्षघात) तथा अन्य नशा सम्बन्धी रोगको उपचार
- छाती दुख्ने, पेट दुख्ने समस्याको उपचार
- ज्वरो आउने, टाउको दुख्ने तथा पुरानो जटिल रोगको उपचार तथा परामर्श
- सिकल सेलरोग तथा अन्य रगत कम (Anemia) को उपचार तथा परामर्श

डा. सुमन चौधरी

MBBS, MD (KU)
NMC No. 15308
कन्सल्टेन्ट फिजिसियन

२४ सै घण्टा आकस्मिक उपचार

ओ.पि.डी. सेवा प्रत्येक दिन (बिहान ९ देखि साँझ ५ बजेसम्म

धनगढी
संजिवनी अस्पताल प्रा. लि.

(राष्ट्र बैंक चौक, धनगढी-५) सम्पर्क नं. ०९१-५९०३२८, ९७६४२१२७२७, ९७६९९३२१०५

दार्चुलामे रक्तदाता समूह पहिचान अभियान

दार्चुला, २३ जेठ । नेपाल रेडक्रस सोसाइटी रक्त सञ्चार सेवा उपसमितिके आयोजना तथा महाकाली नगरपालिकाके सहयोगमे सदरमुकाम खलङ्गामे रक्तदान उत्प्रेरणा तथा रक्त समूह पहिचान कार्यक्रम सञ्चालन करले बा ।

'म पनि रक्तदाता' कना नारासहित सञ्चालन करल अभियानअन्तर्गत शनिच्चरके खलंगास्थित पुलघाट ओ बसपार्क क्षेत्रमे रक्त समूह पहिचान तथा जनचेतनामूलक कार्यक्रम करल बा ।

'ल्याब असिस्टेन्ट' करनसिंह धामीके अनुसार पुलघाटमे ८३ ओ बसपार्क क्षेत्रमे ५७ जनहनके रक्त समूह पहिचान करल बा । गत वैशाख १३ गतेसे दार्चुलामे रक्त सञ्चार केन्द्र स्थापना हुइलपाछे उहीहे प्रभावकारी रूपमे सञ्चालनके लाग अभियान सुरु करल उहाँ बटैलै ।

रक्त सञ्चार उपसमितिके सदस्य कृष्णसिंह धामी आमनागरिकमे रक्तदानप्रति सकारात्मक भावना जागृत कराइक लाग कार्यक्रम सञ्चालन करल जानकारी डेलै । "आभिन फेन ढेर नागरिकमे रक्तदान करे परठ् कना चेतना विकास हुइ सेकल नैहो । गत बैशाखमे स्थापना करल रक्त सञ्चार केन्द्रमे नियमित रगत आपूर्ति सुनिश्चित कैना ओ आवश्यक परेबर बिरामीहे सहज रूपमे रगत उपलब्ध करैना उद्देश्यसे अभियान सञ्चालन करल हो",उहाँ कहलै ।

अभियानअन्तर्गत दार्चुला बहुमुखी क्याम्पस, महेन्द्र मावि खलङ्गा ओ मालिकार्जुन मावि धापमे रक्त समूह पहिचान कार्यक्रम सञ्चालन कैना रक्त सञ्चार उपसमितिके सदस्य भूपेन्द्र विष्ट जानकारी डेलै । रक्त समूह पहिचान करल व्यक्तिहे रक्तदान अभियान समूहमे

आबद्ध कराजैना बा ।

हाल जिल्ला अस्पतालमे रगत आवश्यक परेबर उहे समूहमार्फत रक्तदाताके खोजी कैना करल बा । उक्त समूहमे हालसम तीन सय ३३ जाने आबद्ध होसेकल बटै । नेपाल रेडक्रस सोसाइटीके सभापति गोपालसिंह महरा महाकाली नगरपालिकाके समन्वयमे चालु आर्थिक बरसमे रक्त सञ्चार केन्द्र व्यवस्थापन तथा जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन हुइटी रहल बटैलै । "रक्तदानप्रति सकारात्मक सोच विकास करे सेक्लेसे अभियान सफल हुइ । ओहेमारे पहिल बरस नागरिकमे सचेतना फैलैना आवश्यक ठानके अभियान सञ्चालन करल हो", उहाँ कहलै ।

जिल्ला अस्पतालके डा रवीन्द्र भट्टराईके अनुसार पहाडी जिल्ला अस्पतालमे हुइना रगतके आवश्यकता पूर्ति कैना इ अभियान प्रभावकारी हुइना बटैलै । दार्चुलामे रगत अभाव हुइलमे सबसे लग्गेक रक्त सञ्चार केन्द्र बैतडी ओ डडेल्धुरामे किल रहल ओरसे जिल्लामे रक्त सञ्चार केन्द्र स्थापना कैके व्यवस्थापन प्रक्रिया आघे बह्राइल उहाँ जानकारी डेलै ।

रक्त सञ्चार केन्द्रमे जनशक्ति अभाव

यहाँ रक्त सञ्चार केन्द्र स्थापना करल रलेसे फेन आवश्यक जनशक्तिके अभाव रहल बा । केन्द्र स्थापना हुइल लम्मा समय हुइलेसे फेन आवश्यक दरबन्दीअनुसार जनशक्ति पदपूर्ति हुइ सेकल नैहो ।

हाल जिल्ला अस्पताल ओ महाकाली नगरपालिकासे खटाइल कर्मचारीमार्फत सेवा सञ्चालन हुइटी रहल बा । रेडक्रस सोसाइटीके सभापति गोपालसिंह महरा रक्त सञ्चार केन्द्रके लाग छुट्टै जनशक्ति आवश्यक रलेसे फेन स्रोत अभावके कारण व्यवस्थापन करे नैसेकल बटैलै ।

"हाल असार मसान्तसमके लाग एक जाने जनशक्ति किल व्यवस्थापन करल बा । २४ सै घण्टा सेवा डेहे पर्ना केन्द्रमे एक जाने किल कर्मचारी रहेबर समस्या हुइल बा । ओहेमारे जनशक्ति व्यवस्थापनके लाग केन्द्रीय रेडक्रस ओ स्थानीय तहसे आवश्यक सहयोगके अपेक्षा करले बटी", उहाँ कहलै ।

नेपाल रेडक्रस सोसाइटीके अपने भवन नैहोके हाल जिल्ला अस्पतालसे अस्थायी रुपमे रक्त सञ्चार केन्द्र सञ्चालन करल बा । चालू आर्थिक बरसमे सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकार ओ जिल्ला अस्पतालके सहयोगमे अस्थायी संरचनामे रक्त सञ्चार केन्द्रहे नियमित सञ्चालनमे लानल हो ।

केन्द्रके अपने भवनके लाग स्थानीय तह ओ प्रदेश सरकारहे माग कैलेसे फेन हालसम सुनुवाइ हुइल नैहो । रेडक्रस सोसाइटीके सभापति महरा कहलै, "भवन निर्माणके लाग सहयोग आहृवान करले बटी, मने हालसम सहयोग प्राप्त हुइल नैहो । चालु आवमे भवन व्यवस्थापनके लाग महाकाली नगरपालिकासे रु पाँच लाख सहयोग कैना बाहेक औरे स्थानीय तहसे सहयोग करल नैहो ।"

रक्त सञ्चार केन्द्र स्थापनाके लाग सुदूरपश्चिम प्रदेश सरकारसे उपकरणमे सहयोग करल रहे । लावा आर्थिक बरसमे थप उपकरण ओ जनशक्ति व्यवस्थापनमे सहयोगके लाग प्रदेश सरकारहे आग्रह कैना निर्णय करल सभापति महरा जानकारी डेलै ।

कैलाली अस्पतालमे सामाजिक सुरक्षा कोष स्वास्थ्य सेवा सुरु

पहुरा समाचारदाता

धनगढी, २३ जेठ । धनगढीके कैलाली अस्पताल प्रालिसे सामाजिक सुरक्षा कोषसंगके सम्झौतापाछे कोषमे आवद्ध व्यक्तिनहे स्वास्थ्य उपचार सेवा प्रदान कैना औपचारिक रूपमे सुरु करले बा ।

अस्पताल ओ सामाजिक सुरक्षा कोषबीच हुइल सहकार्यसंगे अब योगदानकर्तासे अस्पतालसे टमान विशेषज्ञ स्वास्थ्य सेवा तथा उपचार सुविधा सहज रूपमे प्राप्त करे सेक्ही । अस्पतालके अध्यक्ष जनकराज जोशीके अनुसार कोषके योगदानकर्तासे प्रचलित व्यवस्था अनुसार स्वास्थ्य सेवा तथा सुविधाके लाभ लेहे सेक्ही । सेवा प्राप्त कैना सामाजिक सुरक्षा कोषके परिचयपत्र तथा आवश्यक कागजात अनिवार्य रूपमे साथमे ल्यानेपर्ना व्यवस्था करल बा ।

अस्पतालसे उपचार सेवामे लग्ना कुल खर्चके २० प्रतिशत रकम भर लाभग्राही स्वयं व्यहोरेपर्ना जानकारी डेहल बा । यी सेवाके विस्तारसंगे कैलालीसहित सुदूरपश्चिम प्रदेशके हजारौं नागरिक प्रत्यक्ष रूपमे लाभान्वित हुइना अपेक्षा करल बा ।

सामाजिक सुरक्षा कोषसे देशभरके स्वास्थ्य संस्थासंग सहकार्य विस्तार करटी योगदानकर्ताहे गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवामे सहज पहुँच सुनिश्चित कैना नीति अनुरूप कैलाली अस्पतालसँग फे सेवा विस्तार करल जनैले बा । यिहीसे उपचारके लाग अन्यत्र जाईपर्ना बाध्यता कम हुइना ओ स्थानीयस्तरमे सहज तथा गुणस्तरीय सेवा प्राप्त हुइना विश्वास करल बा ।

कैलाली अस्पतालसे एक्के ठाउँसे बहुआयामिक स्वास्थ्य सेवा प्रदान करटी आइल बा । अस्पतालमे २४ सै घण्टा इमरजेन्सी, शल्यक्रिया, फार्मेसी तथा एम्बुलेन्स सेवा सञ्चालनमे बटै । साथे मुटुरोग, हाडजोर्नी, नसा, मिर्गौला, छाला तथा स्त्रीरोग सम्बन्धी विशेषज्ञ चिकित्सकमार्फत नियमित उपचार सेवा उपलब्ध करैटी आइल बा ।

अत्याधुनिक प्रविधिसहित आईसीयू, एनआईसीयू, भेन्टिलेटर, भिडियो एक्स-रे, इकोकार्डियोग्राफी, इन्डोस्कोपी लगायतके परीक्षण तथा उपचार सेवासमेत उपलब्ध रहल अस्पतालसे जनैले बा । दूरबिन (ल्याप्रोस्कोपिक) प्रविधिसे शल्यक्रिया सेवा सञ्चालन कैना अस्पतालके दुसर विशेषता हो ।

पछिल्का समय सुदूरपश्चिमके टमान जिल्लासँगे छिमेकी मुलुक भारतसे समेत बिरामी उपचारके लाग कैलाली अस्पताल पुग्न करल बटै । हाल ५० शैयाके क्षमतामे सञ्चालित अस्पतालहे निकट भविष्यमे १०० शैयामे विस्तार कैना तयारी हुइटी रहल अस्पताल जनैले बा । सामाजिक सुरक्षा कोषसँगके यी सहकार्यसे श्रमिक तथा योगदानकर्ताहे स्वास्थ्य सेवामे थप सहज पहुँच डेहुवाइक लाग साथे प्रदेशके स्वास्थ्य क्षेत्रहे थप मजबुत बनैना अपेक्षा करल बा ।

शुक्लाफाँटामे चिरैं...

अपरिहार्य रहल बा ।' डिभिजन वन कार्यालय कञ्चनपुरके प्रमुख लक्ष्मीराज जोशी चिरैं पर्यटन प्रकृतिमे आधारित दिगो पर्यटनके महत्वपूर्ण आधार बन्टी गैल बटैलै । उहाँ वन, वन्यजन्तु ओ चिरैंनके संरक्षणसे पर्यटन क्षेत्रहे थप सबल बनाइ सेकजैना उल्लेख कैटी संरक्षणके गतिविधिमे स्थानीय समुदायके सहभागिता आवश्यक रहल धारणा रख्लै । चराविद् हिरुलाल डगौरा शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्ज नेपालके उत्कृष्ट चिरैं अवलोकन गन्तव्यमध्ये एक रहल बटैलै । उहाँ यहाँ पाइने दुर्लभ, संकटापन्न तथा प्रवासी चिरैं अन्तर्राष्ट्रिय पर्यटकहे आकर्षित कैना सम्भावना रहल उल्लेख करलै ।

'चिरैं हेकर लाग विदेशी पर्यटक टमान देशसे नेपाल अइना करल बटै,' उहाँ कहलै, 'शुक्लाफाँटाके उचित प्रचारप्रसार ओ पूर्वाधार विकास करे सेक्लेसे चिरैं पर्यटनसे स्थानीय समुदायके आयआर्जन बढैना भूमिका खेल्ना बा ।'

कार्यक्रममे टमान सरकारी तथा गैरसरकारी निकायके प्रतिनिधि, संरक्षणकर्मी, पर्यटन व्यवसायी तथा प्रकृतिप्रेमीके सहभागिता रहल रहे । सहभागी निकुञ्ज क्षेत्रभिट्टर रहल टमान प्रजातिके चिरैंनके अवलोकन कैनाके साथे ओइनके संरक्षण ओ पर्यटन विकासके सम्भावनाबारे छलफल करल रहिट ।

डढेलो तथा लूबाट जोगिऔं र जोगाऔं ।

❖ सुख्खायाम तथा पतझरको समयमा डढेलो लाग्न सक्छ,
❖ डढेलोले मानिस, वन्यजन्तु र पर्यावरणमा गम्भीर असर पार्न सक्छ,

डढेलोबाट जोगिन

❖ जथाभावीरूपमा वन तथा जङ्गल क्षेत्रमा आगो नबालौं,
❖ सुक्खा घाँस पातजस्ता ज्वलनशील वस्तु सुरक्षितरूपमा व्यवस्थापन गरौं,
❖ चुरोट, बिडी, आगोका झिल्का भएका वस्तु जथाभावी नफालौं,
❖ डढेलोविरुद्द समुदायस्तरमा सचेतना फैलाऔं,
❖ डढेलो देखिएमा तत्काल सम्बन्धित निकायमा जानकारी गराऔं,

वन जोगाउ र वातावरण संरक्षणमा योगदान दिऔं ।

• गर्मी बढेसँगै तातो हावा (लू) सुरु भएको छ । अतिआवश्यक काम बाहेक घरबाट ननिस्कौं । निस्किने भए छाताको प्रयोग गरौं र बढी झोलिलो पदार्थ र पानीको प्रयोग गरौं ।

कैलारी गाउँपालिका
गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय
कैलाली

धूम्रपान त्यागौं, स्वस्थ जीवनशैली अपनाऔं ।

❖ धूम्रपानले क्यान्सर, मुटु रोग र श्वासप्रश्वाससम्बन्धी समस्या निम्त्याउँछ,
❖ धूम्रपान स्वास्थ्यका लागि हानिकारक छ,

त्यसैले,

❖ सार्वजनिक स्थानमा धूम्रपान नगरौं,
❖ किशोर-किशोरीहरूलाई धूम्रपानबाट टाढा राखौं,
❖ धूम्रपानको लतबाट मुक्त हुन आवश्यक परामर्श र सहयोग लिऔं,
❖ धूम्रपान नगर्ने वातावरण सिर्जना गरौं,
❖ आफ्नो र परिवारको स्वास्थ्यको रक्षा गरौं,
❖ धूम्रपान त्याग्ने संकल्प गरौं,
❖ धूम्रपान विरुद्ध जनचेतना फैलाऔं र स्वस्थ समाज निर्माण गरौं ।

स्वस्थ जीवन, उन्नत भविष्यको आधार।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।

कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।

संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन न. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२१, महेश मो. ९८१३१३१०२९

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

Provide Health Related Services

सेवाहरू:

- मधुमेह(सुगर)
- थाइराइड रोग
- पेट,मुटु तथा छातिरोग
- कलेजो रोग
- TB, हेपाटाइटिस रोग
- ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- मोटोपना

डा. अकाश राउत
MBBS, MD (TU), Internal Medicine
Senior Consultant Physician
NMC NO. 20304
आउने समय : प्रत्येक दिन (२४सै घण्टा)

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हाम्रा सेवाहरू : *१) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मेसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याविन । २) स्त्री रोग तथा प्रसुती सम्बन्धी सेवा (बाँझोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गड्बडी, पाठेघर खस्ने, पाठेघरको अप्रेशन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किड्नीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेशन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेशन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गो, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेशिनबाट हड्डीको अप्रेशन)छाती, मुटु, कलेजो तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरू, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी,*

कैलाली अस्पताल प्रा.लि

जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली